पेप्सिको इंडिया की कृषकों के साथ अनूठी पार्टनरशिप

चंडीगढ़ 26 अप्रैल। भारतीय कृषि-व्यापार में पेप्सिको ट्रोपिकाना और पैगरैक्सको सिटरस डवलपमेंट प्रोग्राम ने जनता और निजी क्षेत्र की कंपनी के बीच सहयोग का एक सफल मॉडल पेश किया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत पंजाब सरकार और पेप्सिको इंडिया के लिए परस्पर उपयोगी जरूरतों के आधार पर हुई थी। पेप्सिको की कोशिश थी कि दुनिया के सबसे बड़े जूस ब्रांड ट्रोपिकाना के लिए खट्टे फलों की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर हो सके, इसी के लिए खट्टे फलों की खेती की परियोजना पर विचार शुरू हुआ। पेप्सिको की दिलचस्पी ऐसे स्थानीय उत्पादों के निर्यात की संभावनाएं तलाशने में भी थी। पेप्सिको ने वर्ष 1989 में पंजाब सरकार के साथ राज्य में कांट्रेक्ट फार्मिंग की शुरुआत की, जिसे 2002 में शुरू हुई इस परियोजना ने और गहरा स्वरूप प्रदान किया। इस परियोजना के माध्यम से पेप्सिको को हजारों किसानों का जीवन स्तर सुधारने में भी आसानी हुई। कृषि आधार के विस्तार हेतु रास्ते तलाशने में जुटी पंजाब सरकार ने खेतों से आय बढ़ाने के लिए फल-फूलों की खेती को प्रोत्साहन दिया। राज्य सरकार ने नर्सरी स्थापित करने के लिए जमीन, बिजली, पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। इसने विदेशों से जर्म-प्लाज्म मंगवाया और अनेक स्थानों पर प्रदर्शन के लिए जमीन उपलब्ध करवायी। इस परियोजना को चलाने, खास तौर पर कर्मचारियों और श्रमिकों का खर्च उठाने की जिम्मेदारी पेप्सिको पर है। खट्टे फलों की अधिक पैदावार के लिए पेप्सिको के कर्मचारी और तकनीशियन कृषकों को नवीनतम और उपयोगी विधियों का संपूर्ण प्रशिक्षण देते हैं। आज किसान 16 रूटस्टॉक और खट्टे फलों की 32 किस्मों में से चुनाव कर सकते हैं। एक व्यावसायिक नर्सरी में मिलने वाला यह एक विशाल संग्रह है, जहां से पंजाब के किसानों को विश्व स्तर की पौध मिलती है। पेप्सिको फिलहाल छोटे पौधे प्रदान कर रही है। इस वर्ष के अंत तक, खट्टे फलों की खेती के लिए 10,000 एकड़ भूमि का उपयोग होने की उम्मीद है। अगले वर्ष तक नर्सरी की क्षमता सालाना चार अरब पौधों तक की हो जायेगी, जो हर साल 35,000 एकड़ जमीन पर बाग लगाने के लिए काफी होंगे।